केंद्रीय विद्यालय एस. ई. सी. एल. जमुना कोलियरी

नवप्रवर्तन

आज की दुनिया में बदलाव की दर का अनुमान लगााना या उसके साथ तालमेल बिठाना लगभग असंभव है। इसे स्वीकार करते हुए हम इस बात से सहमत हो सकते हैं कि हमारे पाास जो ज्ञान है उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, अनुकूलन और विकास की क्षमता।

अधिकांष कार्यस्थलों में परिवर्तन का उत्प्रेरक नवाचार है, जिसमें हमेषा सुधार किए जाने की आवष्यकता होती है। नवाचार षिक्षा, छात्रों को रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, अनुकूलनषीलता और लचीलापन जैसे कौषल विकसित करने का अवसर प्रदान करके उन्हे गतिषील कार्यस्थल के लिए तैयार करने में मदद करती है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन में षिक्षकों के रूप में हम विषुद्ध रूप से शैक्षणिक दृष्टिकोंण के साथ छात्रों के परिणामों को बेहतर बनाने के साथ–साथ उन लचीले कौषलों को विकसित करने के लिए षिक्षा में नवाचार का लाभ उठाते हैं, जिनकी छात्रों को जीवन में होने की आवष्यकता होती है। हम अधिक से अधिक तकनीक भी पेष करतें हैं, जिसकी छात्रों को समय के साथ सहज होने की आवष्यकता होगी। आर्टिफिषियल इंटेलिजेंस और कोडिंग जैसे विषयों की शुरूआत छात्रों की विभिन्न स्तरों की सोच के लिए वरदान साबित हो रही है। नवाचार और रचनात्मकता समय की मांग है और इसे स्कूली षिक्षा में शामिल करने का प्रयास किया जाता है।